Roll No. .....

E–3532

M. A. (Final) EXAMINATION, 2021

PHILOSOPHY

(Optional)

Paper Fourth (A)

(शंकर का अद्वैतवेदान्त)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Attempt all the *five* questions. *One* question from each Unit is compulsory. All questions carry equal marks.

इकाई—1

(UNIT—1)

1. शङ्कराचार्य के अनुसार ब्रह्म का स्वरूप निरूपित कीजिए।

   Elucidate the nature of Brahman, according to Śaṁkarāchārya.

   अथवा

   (*Or*)

   सत्कार्यवाद क्या है ? परिणामवाद एवं विवर्तवाद में भेद स्पष्ट कीजिए।

   What is Satkāryavāda ? Clarify distinction between Pariṇāmavāda and Vivartavāda.

इकाई—2

(UNIT—2)

2. शङ्कराचार्य के अनुसार माया के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

Discuss the nature of Māyā, according to Śaṁkarāchārya.

अथवा

(*Or*)

शङ्कराचार्य के अनुसार व्यावहारिक सत्ता के रूप में जगत् की स्थिति की विवेचना कीजिए।

Discuss status of world as practical reality, according to Śaṁkarāchārya.

इकाई—3

(UNIT—3)

3. 'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' सूत्र की शङ्कराचार्य के अनुसार व्याख्या कीजिए।

Explain aphorism 'Athāto Brahmajijñāsā', according to Śaṁkarāchārya.

अथवा

(*Or*)

'तत्तुसमन्वयात्' सूत्र की व्याख्या शङ्कराचार्य के अनुसार कीजिए।

Explain aphorism 'Tattusamanvayāt' according to Śaṁkarāchārya.

इकाई—4

(UNIT—4)

4. वैशेषिक दर्शन के परमाणुवाद की शङ्करकृत समीक्षा की विवेचना कीजिए।

Discuss Śaṁkara's criticism of the Atomism of Vaisesika-Philosophy.

अथवा

(*Or*)

शङ्कराचार्य, जैन-दर्शन के विभिन्न सिद्धान्तों की कैसे समीक्षा करते हैं ? विवेचन कीजिए।

How does Śaṁkarāchārya criticise the different principles of Jaina-Philosophy ? Discuss.

इकाई—5

(UNIT—5)

5. शङ्कराचार्य के मायावाद के विरुद्ध रामानुजाचार्य की सप्तानुपपत्तियों का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine Ramānujācārya's Saptānupapattis (seven objections) given against Śaṁkarāchārya's Māyāvāds.

अथवा

(*Or*)

शङ्कराचार्य द्वारा स्वीकृत मत 'केवल ज्ञान ही मोक्ष का साधन है' की रामानुज कैसे समीक्षा करते हैं ? विवेचन कीजिए।

How Rāmānuja criticise Śaṁkarāchārya's view that 'only knowledge is the only means of liberation' ? Discuss.